Mahashivratri Puja Samagri List and Puja Vidhi

महाशिवरात्रि पर पूजन सामग्री

- शिव जी की तस्वीर या छोटा शिवलिंग, बेलपत्र
- भांग
- धतूरा
- मदार पुष्प, फूलों की माला
- शमी के पत्ते
- कमल और सफेद फूल
- गंगाजल, महादेव के लिए वस्त्र
- गाय का दूध, दही, शक्कर
- जनेऊ, चंदन, केसर, अक्षत्
- इत्र, लौंग, छोटी इलायची, पान, सुपारी
- शहद, बेर, मौसमी फल, खस
- मौली, रक्षा सूत्र, भस्म, अभ्रक, कुश का आसन
- महाशिवरात्रि व्रत कथा, शिव चालीसा, शिव आरती की पुस्तक
- भोग के लिए हलवा, ठंडाई, लस्सी, मालपुआ आदि
- पूजा के बाद हवन सामग्री
- परिमल द्रव्य, रत्न, आभूषण

-
- दान के लिए कंबल, वस्त्र, अन्न, गुड़, घी, फल आदि
-
- माता पार्वती के लिए श्रृंगार सामग्री, साड़ी
-
- आरती के लिए दीपक, गाय का घी, कपूर

Mahashivratri Ki Puja Vidhi

- महाशिवरात्रि के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठे और दिन की शुरुआत ईश्वर के ध्यान से करें।
- इसके बाद स्नान कर साफ सफेद वस्त्र धारण करें। इस दिन काले रंग के कपड़े पहनने से बचें।
- अब सूर्य देव को जल अर्पित करें।
- इसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा स्थापित करें।
- अब शिवलिंग का जल, दूध और गंगाजल से अभिषेक करें।
- शिवलिंग पर फूल, बेलपत्र और बेर आदि चीजें अर्पित करें।
- घी का दीपक जलाएं और आरती करें। साथ ही शिव का चालीसा का पाठ करें।
- भगवान शिव को विशेष चीजों का भोग लगाएं और लोगों में प्रसाद का वितरण करें।

महामृत्युंजय मंत्र का करें जाप

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् |

उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्||

इस मंत्र का जाप करने से सभी प्रकार के रोग, भय, चिंता, दुःख दूर हो जाते हैं। धार्मिक ग्रंथों में निहित है कि दुःख की घड़ी में महामृत्युंजय मंत्र के जाप करने से सभी प्रकार की बाधा समाप्त हो जाती है।